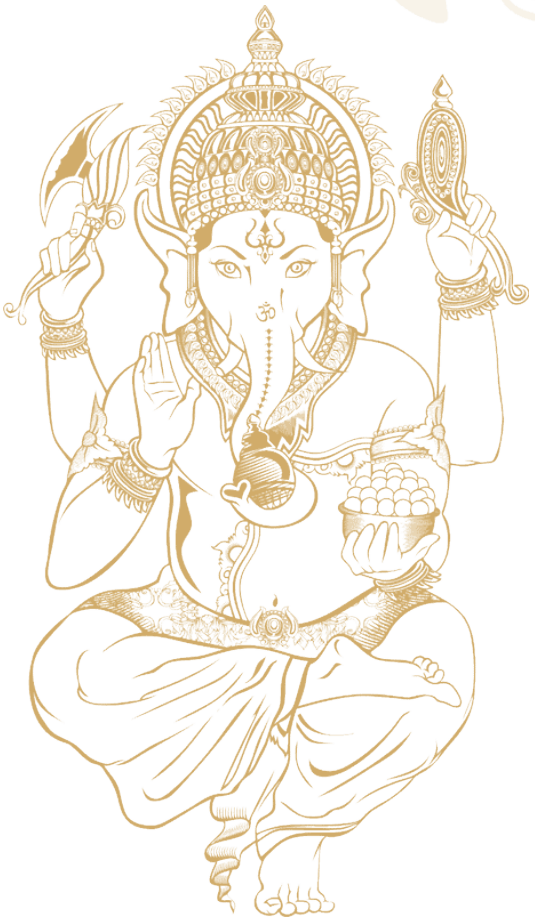

Prateek

Shelly

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121073104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/02/1996	जन्म तिथि	10/01/2001
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 20:18:00	जन्म समय	09:10:00 घंटे
घटी 33:02:18	जन्म समय(घटी)	04:46:12 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:05:04	सूर्योदय	07:15:31
18:05:55	सूर्यास्त	17:42:05
23:48:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:01

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 0वर्ष 4मा 29दि	25:48:34	सिंह	लग्न	मक	27:41:21	गुरु 3वर्ष 6मा 14दि
गुरु	26:19:51	मक	सूर्य	धनु	26:05:36	बुध
10/07/2021	22:46:48	कन्या	चंद्र	कर्क	00:23:03	26/07/2023
10/07/2037	01:32:50	कुंभ	मंगल	तुला	16:23:09	25/07/2040
गुरु 28/08/2023	00:33:00	मक	बुध	मक	05:27:24	बुध 22/12/2025
शनि 11/03/2026	14:12:00	धनु	गुरु व	वृष	07:43:01	केतु 19/12/2026
बुध 16/06/2028	06:48:06	मीन	शुक्र	कुंभ	13:01:34	शुक्र 19/10/2029
केतु 22/05/2029	29:13:03	कुंभ	शनि व	वृष	00:23:58	सूर्य 25/08/2030
शुक्र 21/01/2032	24:54:06	कन्या व	राहु व	मिथु	21:39:35	चन्द्र 25/01/2032
सूर्य 09/11/2032	24:54:06	मीन व	केतु व	धनु	21:39:35	मंगल 21/01/2033
चन्द्र 11/03/2034	07:50:49	मक	हर्ष	मक	25:14:45	राहु 10/08/2035
मंगल 15/02/2035	02:21:06	मक	नेप	मक	11:47:25	गुरु 15/11/2037
राहु 10/07/2037	09:07:26	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	20:12:52	शनि 25/07/2040

लग्न-चलित

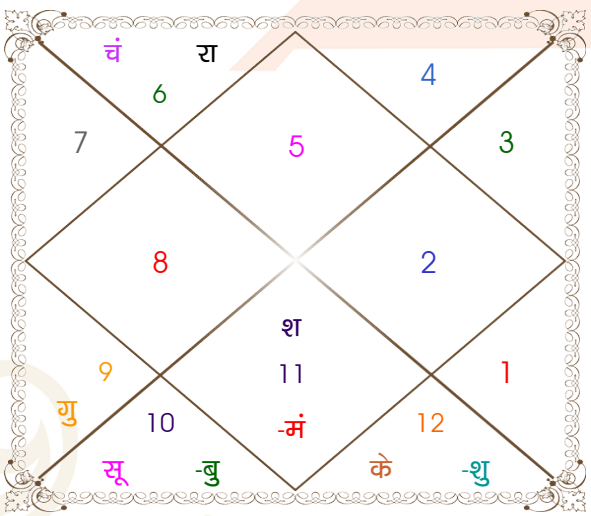

लग्न-चलित

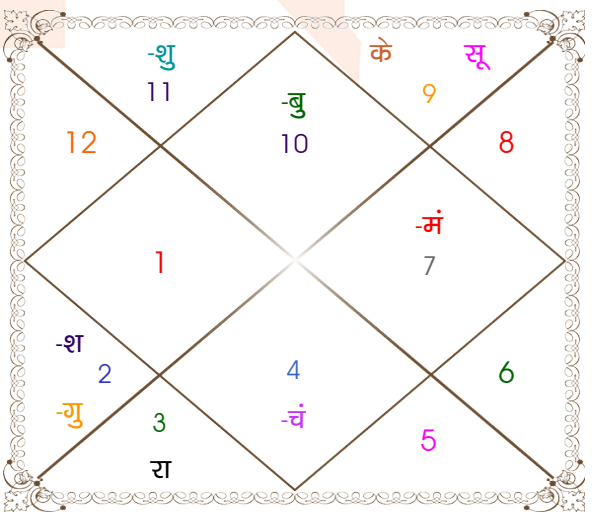

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

च्तंजममा का वर्ग श्वान है तथा ौमससल का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तंजममा और ौमससल का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तंजममा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

ौमससल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ौमससल कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्तंजममा तथा ौमससल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।